

| Evangelium Oktober 2020 | | | |
|-------------------------|-----------|---|--------------|
| 1 | <i>Do</i> | Thérèse v Lisieux | Lk 10,1-12 |
| 2 | <i>Fr</i> | Hl. Schutzengel | Lk 10,13-16 |
| 3 | <i>Sa</i> | | Lk 10,17-24 |
| 4 | So | 27. Sonntag i. Jk. Erntedank | Mt 21,33-44 |
| 5 | <i>Mo</i> | Faustyna Kowalska, Anna Schäffer | Lk 10,25-37 |
| 6 | <i>Di</i> | Bruno | Lk 10,38-42 |
| 7 | <i>Mi</i> | ULF v. Rosenkranz | Lk 11,1-4 |
| 8 | <i>Do</i> | | Lk 11,5-13 |
| 9 | <i>Fr</i> | Dionysius & Gef, Johannes Leonardi | Lk 11,14-26 |
| 10 | <i>Sa</i> | | Lk 11,27-28 |
| 11 | So | 28. Sonntag i. Jk. Rosenkranzfest | Mt 22,1-14 |
| 12 | <i>Mo</i> | | Lk 11,29-32 |
| 13 | <i>Di</i> | | Lk 11,37-41 |
| 14 | <i>Mi</i> | Kallistus I | Lk 11,42-46 |
| 15 | <i>Do</i> | Theresia v Avila | Lk 11,47-54 |
| 16 | <i>Fr</i> | Gallus, Hedwig, Mar- gareta M Alacoque | Lk 12,1-7 |
| 17 | <i>Sa</i> | Ignatius v. Antiochien | Lk 12,8-12 |
| 18 | So | 29. Sonntag im Jahreskreis | Mt 22,15-21 |
| 19 | <i>Mo</i> | Johannes de Brébeuf, Paul v. Kreuz | Lk 12,13-21 |
| 20 | <i>Di</i> | Wendelin | Lk 12,35-38 |
| 21 | <i>Mi</i> | Ursula & Gefährtinnen | Lk 12,39-48 |
| 22 | <i>Do</i> | Papst Joh Paul II. | Lk 12,49-53 |
| 23 | <i>Fr</i> | Joh v Capestrano | Lk 12,54-59 |
| 24 | <i>Sa</i> | Antonio Maria Claret | Lk 13,1-9 |
| 25 | So | 30. Sonntag i. Jk. Weltmissionssonntag | Mt 22,34-40 |
| 26 | <i>Mo</i> | | Lk 13,10-17 |
| 27 | <i>Di</i> | | Lk 13,18-21 |
| 28 | <i>Mi</i> | Apostel Simon & Judas | Lk 6,12-19 |
| 29 | <i>Do</i> | | Lk 13,31-35 |
| 30 | <i>Fr</i> | | Lk 14,1-6 |
| 31 | <i>Sa</i> | Ref.Tag / Wolfgang | Lk 14,1.7-11 |

| Lesung Oktober 2020 | | |
|---------------------|-----------|------------------------------------|
| 1 | <i>Do</i> | Ijob 19,21-27 |
| 2 | <i>Fr</i> | Ijob 38,1.12-21; 40,3-5 |
| 3 | <i>Sa</i> | Ijob 42,1-3.5-6.12-17 |
| 4 | So | Jes 5,1-7 Phil 4,6-9 |
| 5 | <i>Mo</i> | Gal 1,6-12 |
| 6 | <i>Di</i> | Gal 1,13-24 |
| 7 | <i>Mi</i> | Gal 2,1-2.7-14 |
| 8 | <i>Do</i> | Gal 3,1-5 |
| 9 | <i>Fr</i> | Gal 3,6-14 |
| 10 | <i>Sa</i> | Gal 3,22-29 |
| 11 | So | Jes 25,6-10a Phil 4,12-14.19-20 |
| 12 | <i>Mo</i> | Gal 4,22-24.26-27.31-5,1 |
| 13 | <i>Di</i> | Gal 5,1-6 |
| 14 | <i>Mi</i> | Gal 5,18-25 |
| 15 | <i>Do</i> | Eph 1,1-10 |
| 16 | <i>Fr</i> | Eph 1,11-14 |
| 17 | <i>Sa</i> | Eph 1,15-23 |
| 18 | So | Jes 45,1.4-6 1 Thess 1,1-5b |
| 19 | <i>Mo</i> | Eph 2,1-10 |
| 20 | <i>Di</i> | Eph 2,12-22 |
| 21 | <i>Mi</i> | Eph 3,2-12 |
| 22 | <i>Do</i> | Eph 3,14-21 |
| 23 | <i>Fr</i> | Eph 4,1-6 |
| 24 | <i>Sa</i> | Eph 4,7-16 |
| 25 | So | Ex 22,20-26 1 Thess 1,5c-10 |
| 26 | <i>Mo</i> | Eph 4,32-5,8 |
| 27 | <i>Di</i> | Eph 5,21-33 |
| 28 | <i>Mi</i> | Eph 2,19-22 |
| 29 | <i>Do</i> | Eph 6,10-20 |
| 30 | <i>Fr</i> | Phil 1,1-11 |
| 31 | <i>Sa</i> | Phil 1,18b-26 |



LIEBFRAUENMÜNSTER
UND ST. MORITZ



Anmerkung: Der Bibelleseplan kann ausgedruckt und als Lesezeichen zurechtgeschnitten werden. So läßt sich der Verlauf der Monatslesungen gut in der eigenen Bibel mitverfolgen. Ein praktischer Tipp: Nach der Betrachtung den Tag durchstreichen. Dann findet man sich am nächsten Morgen sofort zurecht.